

ना ॥ तयस्य त वना तया ॥ ४ ॥
 दायिनी ॥ तयः प्रिया दू
 खयं न हस्तिनी ॥ जू मा
 ण ॥ तवि संक्रम लत थ
 मदा न च ॥ ने दस्य न र मी दि

२
यत्तत्पुनरुक्ता. मन्त्रवायेऽयं
त ॥ ॐ नमः नमः नमः नमः
वसुन्धनि ॥ ॐ नमः नमः नमः
जलमश्नतथैवव ॥ वनमश्नत
ग्राम. तथैवस्यसंयमः ॥ ॐ नमः

3

यवकं लह. लल्लि ध्वं सु तल्लि
 श्यामसु सहस्रके. य (0)
 ॥ तल्लि सु सु ल व ल्लि सु. सिद्धि
 पु य ल्लि ॥ अ य ल्लि सु य य ल्लि
 ह यी ज अ य न ल ॥ सु ह ली क ल्लि सु

4

४॥ उं नमः स्वाहा व न न न न न न न
 ल्या नमः ॥ ॥ व ल्लि सु ल ॥ उं नमः
 द्वि ल ल्लि सु न न न न व ल्लि सु ल ॥
 सु सु ल्लि सु ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल
 ॥ उं सु ल्लि सु ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
निनीधिनी वैव. नाना धन
कांतिनी ॥ जलददह
कलध्रिनी ॥ कयाता द्वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
यदायिनी ॥ पूजायुक्ता
लदवयुजिता ॥ नदि क
ना. वन्द कलुलमहिता ॥

७
भक्ति नूया यति उत ॥ विता ॥
सा. नेन त य प्रयु जिता ॥
ज. यन मा नन्द नूयि
ति ह. स नूया व. सर्व तल सु नि नि न
॥ न न द नो न न नूया. ॥

८
वर्चिता ॥ न न य म वि या
न क भी म हा उ जो ॥
न न. जा का भ र्वा ति ला ह
का न न न मी वी. विल य
॥ द र्व ला द ग न ति. ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ दिग्गजः श्रीगणेशः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

लिखिता ॥ वक्रादिना नादिना
 नयसुसुथा ॥ १० ॥
 ॐ जीवन्मुक्तयुक्तिता ॥ नाना
 नृणां नामा ॥ जनात्मनाम् ॥ नाना
 वसनामिदं ॥ नृणां नामा ॥

प्रिः ॥ सस्यनासस्यनाप्रिया ॥
 त्रिणाव ॥ वृत्तिनृपावसं ॥
 वृत्तिनाव ॥ वृत्तिनृपावसं ॥
 सिनी ॥ हंसस्यनाव ॥ वृत्तिनृपावसं ॥
 वनवाहना ॥ ११ ॥

को नागमि यक निरुद्ध
 युकाऽगवृत्तमनाय
 ज्ञानासिद्धिलक्ष्माम
 वसविऽवेदाकचुनऽ
 दवताऽउं बीजं शुभं

कीं ह्रस्वनीयसाद निरुद्ध
 निर्यागऽ॥ ॥ कुरुऽ
 खानमऽ॥ ॥ उं कुरुऽ नीलानमऽ॥ ॥ उं
 कुरुऽ मधेमानमऽ॥ ॥ उं कुरुऽ नूनानमऽ
 खानमऽ॥ ॥ उं कुरुऽ कनिषानमऽ

मङ्गलत्वापि जगत्या मङ्गलत्वा रत्न
 रुदमया घृत्या सिद्धि लक्षण न
 यत् ॥ ॥ ध्यानदा वाच ॥ गुरुदेव नमः
 कामि कवचं देव इह हं । नमः विना
 नमोस्तु सिद्धि तीह मनोह

कं कानना वः समन
 निरीमन्त्र्या सिद्धि
 ध्यानिहि ॥ का कुरु
 त्यानगुल कल्यान मयैव न
 नमः न निदीयमा ॥ ध्यानिहि

मांशुवनगु... मीधेजोना...
 हुकायथाधन...
 नवाधना... निगारवाना...
 रुवलीनिह...
 ॥ धासिद्धि ॥ श्रीकैकसभामनवि...

मानदकदाममलवनायां...
 दद्यादुसम्...
 यदात्रि... लकी...
 उद्योगाजितमन...
 यः कीलविचित्र...

नाथः सर्वना जं दुः सव्यः ॥ ॥
 दिल श्री नवा कनी सायं समाप्त
 श्री सिद्धिल श्री नमः ॥ ॥
 ॥ देव देवा महा देव रु काना
 न । सिद्धिल श्री व अं देव

विवर्द्धन ॥ जे ला क माह नं नाम
 रवा क र्थ र व न । प क को ली क
 नग सिद्धि क या नि धि ॥
 सिद्धि सर्व सिद्धि स्व उ ह र
 र्थ था क र म न विवर्द्धन

प्रायः वाक् जति य नंगति ॥ रुक्म
 प्रसन्नान्तरा रुक्म मायु नू वन्दन ॥
 धनयद्वक्ति (लह रुक्म न ते स्य
 रुय ॥ नव मात्री रुय न स्य नारु
 आयि नारुय ॥ वाक्म (लह जो सत वाम

वदव वाक् यात्र ग ॥ युद्ध युद्ध स्य
 प्राति रुयि यस्त्र न यूजित ॥ नृस्य
 प्रस्य य ० ना दक्ष्य स्या यि म हा ध
 सू दक्ष्य रुम मा प्राति सयं सयं
 मित ॥ रुम स्या रुम रुम नि न

सत्रसिष्ठकः । ननु कुरुकिहीनाय
 निदकाय ननु ननु ॥ सोऽहं रूढि
 हादकः ॥ कयोवननथा ॥ य
 नायेवना ॥ याविदुषाहसं
 ननु ॥ महानि ॥ गयेन

यंप्रचरु ॥ ॥ ॥ ना
 दातव्यं सुवमरुमं ॥ यादय
 काय ॥ ॥ यवसुनध्वनि ॥ तना
 सुमवाप्राप्ति ॥ सुवददाम्यहं ॥
 ॥ ॥ ॥ मिमं ननु मे सुवददाम्यहं

संवाद. सि. वि. न. य. ...
 य. समाय ॥ १॥ ७ ॥ ... ॥

॥ १॥ समाय ॥ १॥ ७ ॥ ... ॥

इ. म. ॥ १॥ समाय ॥ १॥ ७ ॥ ... ॥

य. न. म. ॥ १॥ थ. य. ॥ १॥ ७ ॥ ... ॥

॥ १॥ न. म. ॥ १॥ थ. य. ॥ १॥ ७ ॥ ... ॥

मन्त्रद्वयं यं वाननां यश्च दत्तं दत्तं
 विना जमानां दत्तं लिङ्गं नो ब्रूयात्
 आयनमा मिनिर्ह्यं ॥ जीवी जन्म
 त्संस्थमानन्दं येषं निवासं नो
 यत्नारुनस्तलिनामां ध्यासिद्धिं लब्धव्यम्

मिनिर्ह्यं

नीवे ॥ ॐ ॐ नालयवहिनी ॥ ॐ ॐ
नखगदखव. गवयुक्त्वायागला ॥
रकेनीगुरयाभा. गुरलद ॥
ता ॥ गुरत्रयावगुरदा. रकांनगुर
दायिनी ॥ गुरलदससमना. गुर

गुरकानिषी ॥ त्रिकिनीसत्यरा. नाव. मा
सि सत्ययनाकमा ॥ कृष्णमा. देवकी
व. देवमाता कृषादनी ॥ कृष्णसीसुल
दराव. कृषत्रया. कृषावती ॥ रुवाल
यालालसाव. गृष्ठागृष्ठा. न. न. न.

निर्गुणाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
नी ॥ मधमधवती वैव ॥
नक्षत्रा ॥ धात्री धनि धननी ॥
नक्षत्रा ॥ नक्षत्रा ॥
नक्षत्रा ॥ नक्षत्रा ॥

निर्गुणाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
नक्षत्रा ॥ नक्षत्रा ॥
नक्षत्रा ॥ नक्षत्रा ॥
नक्षत्रा ॥ नक्षत्रा ॥
नक्षत्रा ॥ नक्षत्रा ॥

भूत धनिनी ॥ भूलि प्रिया भूलि यूक भू
 लि माता वनप्रदा ॥ वनप्रदा वनप्रदा वनप्रदा
 यनुभ कनी तथा ॥ रुयह की रुयह की
 व. देह दान वना निनी ॥ वनप्रदा वनप्रदा
 वदहो जीवानां यनिवालिनी ॥ वनप्रदा

धात्रन्तूयाव. धात्रव गतानि नो हन्त
 वे ग्वायवला. वायूश्च गतस्थवच ॥
 यूनं धात्रिकाय शु. वायूद हनि गतिनी
 ॥ वत्सवृद्धिदा चैव. वे. प्रितूया निन
 जिता ॥ पूतयविषाद् गर्भस्थिः स नंदा

प्राप्तवृत्तिः ॥ यथाप्राप्तवृत्तिः य
नन्व्याज न प्रदा ॥ अस्या अस्या मयी ॥
रुतानां प्राप्तायिनी ॥ रुतप्रता ॥
वाच. विष्णवन्वृत्तिः तथा ॥ रुत ॥
टनाक्षीव. दत्तु नादत्तु नान

नी ॥ निष्कृष्टं मृथनी. व्रज्जीनात्राय
नीतथा ॥ उमाद्गर्भमहं नि. मर्दल
सर्वमर्दल ॥ जेनाजेनादिनी (मर्का)
जेनवर्ज्येणसिनी ॥ रुयहृदीहेनवी
व. महारुयविनाजिनी ॥ शीमवर्गम

हमाया. तथा वारुयदायिनी ॥ निजान्ना
निवसंलग्ना. रुक्मानि वदायिनी ॥ ना
गत्रूया नागमान्या. नागहनसंधात्रिती ॥
अनजानज्ञत्रूयाव. तथा वानज्ञवहल
॥ कान्तिः पृष्ठिर्दृतिर्मध. लज्जालज्जाल

त्रयिती ॥ जाद्रवाजयदाजया. जयत्रू
याजयप्रदा ॥ जयाचविजयादेव. राम.
वगमहावला ॥ हीमाहीमलत्रूयाव.
हीमत्रूयाहयावला ॥ विष्णु रुक्मावेष्ट
वाच. विष्णुपूयावसुधना ॥ वदत्रूया

वन्दु मूखी. वन्दु वन्दु न सन्निहा ॥ वन्दु ना
दिग्ध सर्वज्ञी. वन्दु वन्दु न सन्निहा ॥
महालक्ष्मी महासाया. महादव विमा
हिनी ॥ ज्ञाया नायाय सीयुष्मा. वन्दु वन्दु
नानिवाहिनी ॥ सर्वत्रया वित्रूयो न. वि

महाङ्गीवधकृती ॥ नन्दु नन्दु नन्दु नन्दु
यत्नीनाम. प्रियंकती ॥ वन्दु वन्दु वन्दु
व. वन्दु वन्दु यायत्र वन्दु वन्दु ॥ हन्ति
नवधू. हन्ति हन्ति यनायसी ॥ हन्ति
शा सर्वमाता. सर्वरूपद्विदिता ॥ ३॥

हिमाचलनिवासिनी ॥ गितान् जातान् तान्
तूया गल्लज्जननी तथ ॥ जूषमज
मयाच प्रलसज्जन कामदा ॥ नीना
प्रियामीमा सामकानि रुधरुगी ॥ अ
क्रोवञ्चवसाम्पुञ्ज वसुम्पुञ्जविनानि

नानिनी ॥ दवयूया नवमम ॥ वानां ह
तकादिनी ॥ रुद्रादीन् ॥ रुद्र
वेत्रिविनानिनी ॥ रुद्रादीन् रुद्रादीन्
सुतासूतनमस्कृता ॥ रुद्रादीन् रुद्रादीन्
न्या रुद्रादीन् रुद्रादीन् ॥ रुद्रादीन् रुद्रादीन्

पूजाथयदुष्टसिद्धयत्न॥०॥दिनिवाय॥
सिद्धितत्त्वा॥सिद्धिदूक॥सिद्धिदूक॥
प्रिया॥सिद्धि॥सिद्धिमाता॥सुनैकसिद्धि
दायिनी॥सिद्धिप्रियासिद्धिमाता॥सिद्धि
माता॥देव॥निवर्त्यवदवनी॥निवाय

महतीद्रासदा॥आमनीआमनी॥
गदिनीगजगमिनी॥प्रहलसुसुत्रा
सु॥प्रहलसकनीतथा॥विश्वनी
सुमती॥विश्वसुनकात्रि॥
सुतिर्वदमयी॥सुनदकुन॥जना

पूर्वकालगुप्ती ॥ रुक्मिणि कान्त ॥ ५३ ॥
स्वातिजस्य पुनर्वसु ॥ मूला ॥ अश्लेषा ॥
कोट्य ॥ गहिष्मिन् रुक्मिणी ॥ अश्लेषा ॥
पूर्वाषाढा ॥ वज्रसूक्त ॥ अश्लेषा ॥
वृश्चिक ॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥

॥ जवाकसुमसंका ॥ जवाय ॥ अश्लेषा ॥
॥ यहायह सुत्रयाव ॥ अश्लेषा ॥
॥ यव ॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥
॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥
॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥
॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥ अश्लेषा ॥

वेव. जगद्वाणीमधुप्रिया ॥ गान्धर्वी ॥
अनतिष्ठतनृत्ययनायला ॥ कानन
लाकनालाकी. जगद्वाणीमधुप्रिया ॥
गुरुजादणुजा. वगुर्दणुजा ॥
कात्यायनी जगत्पति. जगद्वाणी ॥

दीपनरुनी ॥ वेकनाथ ॥
लसनाथवल्लभा ॥ कात्यायनी ॥
रुवानीरुवनागिनी ॥ श्रील ॥
डी. कोणालाकोमदीतथा ॥ रु ॥
लयाणी. देवाम्ना देवप्रिया ॥ दे ॥

दवी. विरुतिरु वसु. ॥ १ ॥
कदानना. महासंकटना. ॥ २ ॥
असहनादायी. डोयदाडूद. ॥ ३ ॥
वैधाकनीवगा. आनी. ला. ॥ ४ ॥
गति ४ ॥ सुकलीदी. ॥ ५ ॥

परवालीव. एवत्रूयाकयालि. ॥ ६ ॥
लक्षानिवा. वेव. कयातद. रु. ॥ ७ ॥
अल. रु. तुलगा. वडा. ॥ ८ ॥
॥ देवाय. दे. ना. वा. व. ॥ ९ ॥
॥ दे. वा. वि. वा. व. ॥ १० ॥

दका द। के नी च. नका दक सुला च. न. न.
ग। की मृ गवा सा की. मृ ग ना रिय त्रि यु
ता ॥ दि वा मयी ना प्रि मयी. दि न नृ ल नृ
नृ ध ती ॥ सा वि पी वे व मय पी. उ रु क
आ उ न ध्व ती ॥ सूर्य जा र नृ जा वे व. रु

नृ य पी त य सि नी ॥ म ह नृ पि ॥ का ल ला
पि ॥ कां पी ल द ण वा सि नी ॥ उ ग्र मृ रि म
ह सी मा. उ दे या व ल वा सि नी ॥ या नृ ग नृ
या ग मा ना. या म नृ दि रु रु. रु रु रु रु
प्रि या मां स नृ वि. मां स नृ नृ नि ना

म

नाम

॥ जयना जयना काला, धा नरा को
की ॥ क्रोधना क्रोधनू याव, सव कानन्द का
त्रिही ॥ याय घी ना गह लीव, साध कान
ग्य का त्रिही ॥ वना ही ना नहि हीव, सु
भी वज्र धा त्रिही ॥ वगला जयद् म्म नर